

## BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (BAG)

Term-End Examination December, 2024

### BPAC-132 : ADMINISTRATIVE THINKERS

FOR HINDI & ENGLISH BOTH CLASSES

**Explain the organisation and structure of administrative machinery at the centre as described in the Arthashastra.**

The **Arthashastra**, written by the ancient Indian scholar **Kautilya (Chanakya)**, provides a detailed account of the organization and structure of administrative machinery in the Mauryan Empire. This work, which is often considered one of the most significant texts on political science and economics, outlines the structure of governance, the role of the ruler, and the functioning of the state.

**अर्थशास्त्र**, जो प्राचीन भारतीय विद्वान कौटिल्य (चाणक्य) द्वारा लिखित है, मौर्य साम्राज्य में प्रशासनिक मशीनरी की संरचना और संगठन का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। यह ग्रंथ, जिसे राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र पर सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक माना जाता है, शासन की संरचना, शासक की भूमिका, और राज्य के कार्यप्रणाली को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करता है।

#### **Central Administration:**

At the centre of the state, the **king (Raja)** was the supreme authority, holding both executive and judicial powers. The king was responsible for maintaining law and order, safeguarding the kingdom, and ensuring economic prosperity. While the king was the central figure, he was assisted by a number of officials and ministers who helped manage various aspects of governance.

#### **केंद्रीय प्रशासन:**

राज्य के केंद्र में राजा (राजा) सर्वोच्च प्राधिकारी था, जिसके पास कार्यकारी और न्यायिक दोनों शक्तियाँ थीं। राजा कानून और व्यवस्था बनाए रखने, राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आर्थिक समृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार था। जबकि राजा केंद्रीय व्यक्ति था, उसे कई अधिकारियों और मंत्रियों द्वारा सहायता प्राप्त थी, जो शासन के विभिन्न पहलुओं का प्रबंधन करने में मदद करते थे।

#### **1. King (Raja):**

The king was the head of the state and the ultimate decision-maker. His role was not only to lead the military but also to ensure the welfare of the people. He was responsible for the administration, justice, and the implementation of policies. The king was advised by a council of ministers and had a significant number of officials working under him to ensure the smooth functioning of the empire.

## राजा (राजा):

राजा राज्य का प्रमुख और अंतिम निर्णय लेने वाला होता था। उसकी भूमिका केवल सैन्य नेतृत्व तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसे लोगों की भलाई सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी थी। राजा प्रशासन, न्याय और नीतियों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार था। राजा को मंत्रियों की परिषद से सलाह मिलती थी और उसके अधीन कई अधिकारी होते थे, जो साम्राज्य के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते थे।

## 2. Council of Ministers (Mantriparishad):

The council of ministers was an essential part of the administration. The **Mantriparishad** was composed of senior advisors and ministers who helped the king in formulating policies and decision-making. The council also advised the king on issues related to military, foreign affairs, and the economy. The ministers were categorized based on their responsibilities and specialized roles, such as the **priest**, **chief of the military**, and **chief of the treasury**.

## मंत्रिपरिषद (मंत्रिपरिषद):

मंत्रिपरिषद प्रशासन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। **मंत्रिपरिषद** में वरिष्ठ सलाहकार और मंत्री शामिल होते थे, जो राजा की नीतियों और निर्णयों को बनाने में मदद करते थे। परिषद ने राजा को सैन्य, विदेश मामलों और अर्थव्यवस्था से संबंधित मुद्दों पर भी सलाह दी। मंत्रियों को उनकी जिम्मेदारियों और विशिष्ट भूमिकाओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया था, जैसे **पुरोहित**, **सैन्य प्रमुख**, और **कोषाध्यक्ष**।

## 3. Various Officials and their Roles:

The **Arthashastra** provides a detailed list of various officials who were tasked with specific duties in the administration. Some of the important officials included:

- **Dutaka** (spies) who gathered intelligence and reported back to the king.
- **Vigrahika** (army commanders) who were in charge of military matters and defense.
- **Sannidhata** (treasurers) who managed the state's finances and wealth.
- **Karmakarta** (executive officers) who oversaw the implementation of royal orders.
- **Rajukas** (district officers) who were in charge of administrative units, like provinces or districts.

## विभिन्न अधिकारी और उनकी भूमिकाएँ:

**अर्थशास्त्र** विभिन्न अधिकारियों की एक विस्तृत सूची प्रदान करता है, जो प्रशासन में विशिष्ट कर्तव्यों के साथ कार्यरत थे। कुछ महत्वपूर्ण अधिकारी थे:

- **दूतक** (गुप्तचर), जो खुफिया जानकारी एकत्र करते थे और राजा को रिपोर्ट करते थे।
- **विग्रहीका** (सैन्य कमांडर), जो सैन्य मामलों और रक्षा के लिए जिम्मेदार थे।
- **सन्निधाता** (कोषाध्यक्ष), जो राज्य के वित्त और संपत्ति का प्रबंधन करते थे।
- **कर्मकर्ता** (कार्यकारी अधिकारी), जो राजकीय आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी करते थे।
- **राजुक** (जिला अधिकारी), जो प्रशासनिक इकाइयों, जैसे प्रांतों या जिलों के प्रभारी होते थे।

## 4. Role of Secretaries and Record Keepers:

The **Arthashastra** also emphasizes the importance of record-keeping and documentation. Secretaries (called **Sachivas**) were responsible for maintaining the official records of the state. These records included important decisions, laws, and administrative orders. The efficiency of the state depended on the accuracy and organization of these records, as they were essential for the smooth functioning of the administration.

## गोपनीय सचिव और अभिलेख रखने वाले अधिकारी:

**अर्थशास्त्र** में अभिलेख रखने और दस्तावेज़ीकरण के महत्व पर भी जोर दिया गया है। सचिव (जिन्हें **सचिव** कहा जाता था) राज्य के आधिकारिक अभिलेखों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होते थे। इन अभिलेखों में महत्वपूर्ण निर्णय, कानून और प्रशासनिक आदेश शामिल होते थे। राज्य की कार्यकुशलता इन अभिलेखों की सटीकता और संगठन पर निर्भर करती थी, क्योंकि ये प्रशासन के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक थे।

## Conclusion

The administrative machinery at the centre in the **Arthashastra** was highly organized, with the king at the helm and supported by a council of ministers and various officials. Kautilya emphasized the importance of a structured administration, where each official had a defined role and responsibility. This system was not only aimed at effective governance but also at maintaining peace, prosperity, and stability within the empire. The detailed organization provided in the **Arthashastra** demonstrates the advanced political and administrative thought of ancient India.

## निष्कर्ष

**अर्थशास्त्र** में केंद्रीय प्रशासन की मशीनरी अत्यधिक संगठित थी, जिसमें राजा शीर्ष पर था और मंत्रियों की परिषद और विभिन्न अधिकारियों द्वारा समर्थित था। कौटिल्य ने एक संरचित प्रशासन के महत्व पर बल दिया, जहाँ प्रत्येक अधिकारी की एक निश्चित भूमिका और जिम्मेदारी थी। यह प्रणाली केवल प्रभावी शासन के लिए ही नहीं, बल्कि साम्राज्य में शांति, समृद्धि और स्थिरता बनाए रखने के लिए भी थी।

**अर्थशास्त्र** में प्रदान की गई विस्तृत संगठन संरचना प्राचीन भारत के उन्नत राजनीतिक और प्रशासनिक विचारों को दर्शाती है।

## Discuss Maslow's theory of motivation.

Maslow's theory of motivation is known as the **Hierarchy of Needs**, which he proposed in 1943. According to Maslow, human beings are motivated by a series of needs, and these needs are arranged in a hierarchy, meaning that lower-level needs must be satisfied before higher-level needs become motivating. Maslow classified human needs into five levels: physiological, safety, love and belonging, esteem, and self-actualization.

मस्लो का प्रेरणा सिद्धांत **आवश्यकताओं की श्रेणी** के रूप में जाना जाता है, जिसे उन्होंने 1943 में प्रस्तुत किया था। मस्लो के अनुसार, मनुष्य एक श्रृंखला के रूप में आवश्यकताओं से प्रेरित होते हैं, और ये आवश्यकताएँ एक श्रेणीबद्ध तरीके से व्यवस्थित होती हैं, अर्थात् उच्च स्तर की आवश्यकताओं को प्रेरित करने से पहले निम्न-स्तरीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करना आवश्यक होता है। मस्लो ने मानव आवश्यकताओं को पाँच स्तरों में वर्गीकृत किया: शारीरिक, सुरक्षा, प्रेम और संबंध, सम्मान, और आत्म-साक्षात्कार।

### 1. Physiological Needs:

At the base of the hierarchy are **physiological needs**, which are the most basic and essential for survival. These include food, water, shelter, sleep, and air. Maslow believed that until these needs are met, no other needs could be pursued. For example, a person would not be

concerned with social relationships or achieving personal goals if they are struggling to find food or shelter.

### 1. शारीरिक आवश्यकताएँ:

सिरमौर स्तर पर **शारीरिक आवश्यकताएँ** होती हैं, जो जीवित रहने के लिए सबसे बुनियादी और आवश्यक होती हैं। इसमें भोजन, पानी, आश्रय, नींद, और हवा शामिल हैं। मस्लो का मानना था कि जब तक इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जाता, तब तक कोई अन्य आवश्यकताएँ प्रेरित नहीं हो सकतीं। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति भोजन या आश्रय प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, तो वह सामाजिक संबंधों या व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के बारे में नहीं सोचेगा।

### 2. Safety Needs:

Once physiological needs are met, the next level involves **safety needs**. These needs are related to the security and stability of an individual's life, such as physical safety, employment, health, and financial security. People seek to protect themselves from harm, danger, and insecurity. For example, a person who has stable employment and access to healthcare will feel secure and be able to focus on fulfilling higher needs.

### 2. सुरक्षा की आवश्यकताएँ:

जब शारीरिक आवश्यकताएँ पूरी हो जाती हैं, तो अगला स्तर **सुरक्षा की आवश्यकताएँ** होता है। ये आवश्यकताएँ एक व्यक्ति के जीवन की सुरक्षा और स्थिरता से संबंधित होती हैं, जैसे शारीरिक सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और वित्तीय सुरक्षा। लोग खुद को हानि, खतरे, और असुरक्षा से बचाने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, जो व्यक्ति स्थिर रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच रखता है, वह सुरक्षित महसूस करेगा और उच्च आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर पाएगा।

### 3. Love and Belonging Needs:

Once safety needs are fulfilled, individuals seek **love and belonging**. These needs refer to the desire for relationships, friendships, and social connections. Humans are social beings, and emotional bonds with family, friends, and peers are crucial for their well-being. People seek to belong to groups, communities, and form lasting relationships. For example, a person who has supportive friendships and family relationships will be motivated to pursue higher goals.

### 3. प्रेम और संबंध की आवश्यकताएँ:

जब सुरक्षा की आवश्यकताएँ पूरी हो जाती हैं, तो व्यक्ति **प्रेम और संबंध** की तलाश करते हैं। ये आवश्यकताएँ रिश्तों, मित्रता, और सामाजिक कनेक्शनों की इच्छा से संबंधित होती हैं। मानव स्वभाव से सामाजिक प्राणी होते हैं, और परिवार, दोस्तों और साथियों के साथ भावनात्मक संबंध उनके भले के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। लोग समूहों, समुदायों में शामिल होना चाहते हैं और स्थायी संबंध बनाना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, जो व्यक्ति सहायक दोस्ती और पारिवारिक संबंध रखता है, वह उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रेरित होगा।

### 4. Esteem Needs:

Once the needs for love and belonging are fulfilled, individuals focus on **esteem needs**. These needs include the desire for self-respect, recognition, and the respect of others. People want to feel valued, accomplished, and competent. This can involve gaining success in work, education, or personal achievements. For example, a person who is respected by peers and feels proud of their accomplishments is more likely to pursue self-actualization.

#### 4. सम्मान की आवश्यकताएँ:

जब प्रेम और संबंध की आवश्यकताएँ पूरी हो जाती हैं, तो व्यक्ति **सम्मान की आवश्यकताएँ** पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ये आवश्यकताएँ आत्म-सम्मान, पहचान और दूसरों का सम्मान पाने की इच्छा से संबंधित होती हैं। लोग मूल्यवान, सफल, और सक्षम महसूस करना चाहते हैं। इसमें कार्य, शिक्षा या व्यक्तिगत उपलब्धियों में सफलता प्राप्त करना शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, जो व्यक्ति अपने साथियों द्वारा सम्मानित होता है और अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता है, वह आत्म-साक्षात्कार की ओर अग्रसर होने की संभावना अधिक होती है।

#### 5. Self-Actualization Needs:

At the top of the hierarchy is **self-actualization**, which represents the desire to achieve one's full potential. This includes the pursuit of personal growth, creativity, and self-improvement. People who have satisfied all the previous needs are motivated to reach their fullest potential and live life to the fullest. Maslow believed that self-actualization is the ultimate goal of human life, where a person becomes the best version of themselves.

#### 5. आत्म-साक्षात्कार की आवश्यकताएँ:

सिरमौर स्तर पर **आत्म-साक्षात्कार** होता है, जो एक व्यक्ति की पूरी क्षमता प्राप्त करने की इच्छा को दर्शाता है। इसमें व्यक्तिगत विकास, रचनात्मकता, और आत्म-सुधार की खोज शामिल है। जो लोग पहले सभी आवश्यकताओं को पूरा कर चुके होते हैं, वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने और जीवन को पूरी तरह से जीने के लिए प्रेरित होते हैं। मस्लो का मानना था कि आत्म-साक्षात्कार मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है, जहां एक व्यक्ति अपने आप का सर्वोत्तम संस्करण बनता है।

### Conclusion

Maslow's **Hierarchy of Needs** theory highlights the importance of fulfilling basic needs before pursuing higher goals. The theory suggests that human motivation is a gradual process, starting with survival needs and progressing toward self-fulfillment. Maslow's theory is widely used in psychology, education, and management to understand human behavior and motivation.

### निष्कर्ष

मस्लो का **आवश्यकताओं का श्रेणीबद्ध सिद्धांत** यह दर्शाता है कि उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति से पहले बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना महत्वपूर्ण है। यह सिद्धांत बताता है कि मानव प्रेरणा एक क्रमिक प्रक्रिया है, जो अस्तित्व की आवश्यकताओं से शुरू होकर आत्म-पूर्णता की ओर बढ़ती है। मस्लो का यह सिद्धांत मनोविज्ञान, शिक्षा, और प्रबंधन में मानव व्यवहार और प्रेरणा को समझने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।